नागरमल मोदी सेवा सदन

(स्थापित 1958)

सेवा सदन संवाद

66 वाँ स्थापना दिवस : 31 अगस्त, 2023

स्व. पन्नालाल जी मोदी

स्व. मदन लाल जी मोदी

स्व. सत्यनारायणजी बजाज

स्व. नागरमलजी मोदी

स्व. सीतारामजी मारु

स्व. सीतारामजी लोहिया

स्व. चंडी प्रसादजी मोदी

स्व. (डॉ.) के.डी.एन. अग्रवाल

स्व. (डॉ.) श्याम सुन्दरजी ब्यास

सेवा सदन के वंदनीय संस्थापक पुरोधाओं को सादर नमन

(स्थापित 1958)

नागरमल मोदी सेवा सदन

65 वर्षों की विकास यात्रा के पथ-प्रदर्शक

स्व. पन्नालाल जी मोदी
(1958-1967)

स्व. आत्माराम जी बुधिया
(1967-1969)

स्व. सत्यनारायण जी बजाज
(1969-1977)

स्व. ओमप्रकाशमल जी शर्मा
(1977-1988)

स्व. भवरलाल जी खेतान
(1988-1991)

श्री कृष्ण कुमार जी पोद्दार
(1991-2000)

स्व. चतुर्भुज जी खेमका
(2000-2003)

श्री जुगल किशोर जी मारू
(2003-2006)

समग्र समाज की सेवा हेतु महान समाज सेवी व स्वतंत्रता सेनानी श्रद्धेय नागरमल मोदी जी के नाम से स्थापित एवं बिहार के प्रथम मुख्यमंत्री श्री कृष्ण सिंह द्वारा उद्घाटित नागरमल मोदी सेवा सदन झारखंड का एक विकासशील अस्पताल है ।

वर्ष 1958 में मातृ चिकित्सा गृह के रूप में स्थापित स्वास्थ्य सेवा केन्द्र आज 192 शैय्या का मल्टीस्पेशलिटी अस्पताल की तरह कार्यरत हैं ।

शैशव काल से युवावस्था तक की सदन की यात्रा में निसंदेह हजारों लोगों का योगदान रहा है और लाखों मरीजों को स्वास्थ्य लाभ हुआ है । इस 65 वर्ष की यात्रा में सेवा सदन ने सैकड़ों प्रसिद्ध चिकित्सक रांची शहर को दिये हैं । ये अपने नर्सिंग होम अथवा विभिन्न अस्पतालों के माध्यम से रांची के मरीजों को सेवा प्रदान कर रहे हैं ।

सदन के संविधान के अनुसार निर्धारित प्रत्येक त्रिवार्षिक सत्र में समाज की एक बड़ी टीम सदैव सेवा करती रही है और इनके पथ प्रदर्शकों के प्रति कृतज्ञता अर्पित है।

श्री राजकुमार जी केडिया
(2006-2009)

श्री अजय जी मारू
(2009-2015)

श्री विष्णु जी लोहिया
(2015-2018)

श्री राजेन्द्र कुमार सरावगी
(2018-2021)

अध्यक्ष की कलम से...

नागरमल मोदी सेवा सदन की स्थापना उन दिनों हुई थी जब रांची शहर में स्वास्थ्य-सेवा की सुविधा नहीं के बराबर थी। समय के साथ-साथ इस क्षेत्र में अप्रत्याशित विकास हुआ है। एक समय था जब रोगी की नाड़ी को छू कर रोग का अंदाज किया जाता था किन्तु आज शरीर के अन्दर की छवि उतार कर रोग को सुनिश्चित किया जाता है। रोगियों को हॉस्पिटल के साथ-साथ हॉस्पिटैलिटी भी चाहिए। चिकित्सकों की डिग्री, पारा मेडिकल स्टाफ का एजुकेशन सर्टिफिकेट, हॉस्पिटल के क्वालिटी लेवल की मान्यता इत्यादि सभी अब मायने रख रहे हैं। समय के साथ-साथ अपने आप को अपग्रेड रखना अति आवश्यक है। इन्हीं सब पहलुओं के तहत् सेवा सदन में भी कार्य किये जा रहे हैं।

सदन को NABH मान्यता के लिए प्रयास किये जा रहे हैं। NABH की मान्यता प्राप्त करने के क्रम मे सदन का ऑल राउंड विकास होगा। नर्सिंग के साथ-साथ सदन में रख-रखाव का स्तर ऊँचा होगा। चिकित्सा के साथ-साथ डायग्नोस्टिक विभागों का स्तर ऊँचा होगा। कैश काउंटर से लेकर एकाउंटिंग तक एवं स्टोर प्रबंधन से लेकर मानव संसाधन प्रबंधन का स्तर ऊँचा होगा। NABH के तहत हरेक एक्टिविटी का TAT (टर्न अराउंड टाइम) तय किया जाता है, ताकि किसी भी प्रक्रिया में किसी भी तरह का विलंब न हो। इसके अलावा प्रयास किया जा रहा है कि रोगियों का प्रेसक्रिप्शन कंप्यूटर में लिखा जाये, BHT E-PAD पर मेन्टेन किया जाये, रोगी का रिकॉर्ड डिजिटल हो, क्लीक ऑफ बटन पर रोगियों की इनफार्मेशन चिकित्सकों को मिले।

अस्पताल के सर्विस लेवल का विकास तब तक नहीं हो सकता है जब तक कार्यरत कर्मचारियों की दक्षता का विकास नहीं किया जाये। इसके लिए प्रयास किया जा रहा है कि नए पारा मेडिकल स्टाफ का एक मिनिमम एजुकेशन लेवल हो। सदन के सभी कर्मचारियों को निरंतर ट्रेनिंग दी जाये। ट्रेनिंग देने के लिए ट्रेनर योग्य हों। हमने संकल्प लिया है कि अस्पताल में आये गंभीर से गंभीर रोगी को प्राथमिक चिकित्सा अवश्य मिले। इसके लिए योग्य इन्टेसीविस्ट की बहाली की गई है और परिणाम अच्छे मिल रहे हैं। सदन की चिकित्सा का स्तर और भी ऊँचा करने के लिए कोल इंडिया एवं समाज के सहयोग से कार्डियक सेंटर की स्थापना की जा रही है। यह सेंटर शीघ्र ही कार्यरत होगा।

उपरोक्त सभी कार्यों के लिए सदस्यों की व स्वयं सेवकों की एक बड़ी टीम कार्यरत है। सच है :

डुबकियाँ सागर में गोताखोर लगाता है,
जा जा कर खाली हाथ लौट कर आता है,
मिलते नहीं सहज ही मोती गहरे पानी में।
बढ़ता उत्साह इसी हैरानी में,
मुट्ठी खाली उसकी हर बार नहीं होती,
कोशिश करने वालों की हार नहीं होती।

-अरूण छावछरिया

सचिव की कलम से...

मैं समाज का आभारी हूं कि मुझे मेरे पूज्य दादा जी के नाम से स्थापित इस प्रसिद्ध अस्पताल नागरमल मोदी सेवा सदन में सेवा का अवसर प्रदान किया गया। मेरा सर स्थापना काल के समाज के महापुरूषों के प्रति सहज ही झुकता है जिन्होंने कम सरकारी व निजी संसाधनों के बावजूद इस स्वास्थ्य सेवा का प्रारंभ किया। स्थापना काल से 65 वर्षों तक तन मन धन से इसे विकसित करने में संलग्न सभी अग्रजों को भी मैं हृदय से नमन करता हूं।

मेरा अनुभव है कि अस्पताल प्रबंधन मानव शरीर की संरचना की तरह जटिल है। जिस तरह एक शरीर का संचालन पांच मुख्य क्रियाओं श्वसन, पाचन, रक्तसंचरण, उत्सर्जन व तंत्रिका क्रियाओं के द्वारा होता है। स्वास्थ्य सेवा के भी पांच प्राण है जिनकी कार्यकुशलता से अस्पताल का सही संचलन हो सकता है, वे हैं 1) प्रबंध समिति 2) चिकित्सक गण 3) पैरा मेडिकल स्टाफ 4) सहायक कर्मचारीगण एवं 5) मरीज।

बहुत तेज गति से बदलते जगत में प्रोफेशनल मैनेजमेंट के माध्यम से ही स्वास्थ्य सेवा की चुनौतियों का सामना किया जा सकता है और हम पूर्व अध्यक्षों के मार्गदर्शन में अपने सीमित संसाधनों में विभिन्न समितियों एवं परामर्शदाता के माध्यम से अस्पताल के सभी पांच प्राणों का नियमन कर रहे हैं।

मरीजों की सहायता के लिए सदन मित्रों के स्थापन, पैरा मेडिकल व सहायक कर्मचारियों हेतू निरन्तर प्रशिक्षण व उत्साहवर्धन, चिकित्सकों के साथ लगातार संपर्क व प्रबंध कार्यकर्ता की नियमित बैठको के माध्यम से उपचार की गुणवत्ता में निरन्तर सुधार हो रहा है।

मरीज अधिक संतुष्ट हैं, चिकित्सकों को संतोष है, पैरामेडिकल स्टाफ प्रेरित हैं और सहायक कर्मचारी गण भी सकारात्मक हैं ।

हर्ष की बात है कि बहुत जल्द ही पैथोल२जिकल जांच हेतु होम कलेक्शन की व्यवस्था हो रही है और ह्रदय संबंधित बीमारियों का भी इलाज शुरू हो रहा है ।

सेवा सदन का विकास समाज के कर्तव्यनिष्ठ स्वयंसेवकों एवं उदात्त दानदाताओं के सहयोग के फलस्वरूप ही हुआ है और आगे भी होगा ।

मैं टीम सेवा सदन के सभी सदस्यों के प्रति कृतज्ञ हूं।

बात अगर हो जाए,
तो उपर वाले से दुआ मांग लूँ,
सब के दुखों में काम आऊं,
ऐसा कुछ हुनर मांग लूँ।

-आशीष (मीनु) मोदी

संपादकीय....

"संवाद"-माध्यम है, अवसर है, अनुभूत प्रेरक है सकारात्मक सृजन का। माता-पिता, परिवार और समाज में संवाद से सेवा के बीज अंकुरित होते हैं। समाज के कर्मयोगियों और दानवीरों के उर्वरक शक्ति से ही ये बीज फलदायी बनते हैं। यूवा ऊर्जा का विशेष महत्त्व और योगदान है, साथ-साथ वरिष्ठों के अनुभव अनिवार्य होते हैं।

बड़े भाई कमल केडिया जी, मित्र वेद प्रकाश बागला और अनुज वरूण जालान के विशेष मार्गदर्शन और सहयोग से ही संवाद का यह स्थापना अंक प्रकाशित हुआ है। संवाद प्रकाशन में कतिपय संभव त्रुटियों के लिए क्षमा प्रार्थी।

सेवा सदन के 65 वर्ष प्रगतिशील और परोपकारी रहे हैं। अब बस एक दशक से भी कम दूर है- सेवा सदन का अमृत वर्ष। सेवा सदन से जुड़ने-सीखने का सुअवसर सौभाग्य है। इसी मनोभाव को संजोए सबों के प्रति विनम्र आभार।

-आलोक तुलस्यान

चिकित्सीय आयाम

दिनांक 29.10.2022 को मरीज (**आर. एस. सिंह,** 75 साल, पुरूष) को छाती में दर्द, श्वास लेने में तकलीफ, चक्कर आने की शिकायत, अत्यंत गंभिर हालत में भर्ती हुआ। जाँच करने पर पता चला कि मरीज पूर्व से डायबटिक एवं थायराइड की दवाइयाँ लेता है। मरीज को बहुत पसीना आ रहा था एवं उसके हृदय की गति मात्र 30 थी। इस स्थिति को हार्ट ब्लॉक कहते हैं। इसमें हृदय की गति इतनी कम हो जाती है कि पूरे शरीर में रक्त नहीं पहुँच रहा था। मरीज का पोटेशियम भी बढ़ा हुआ था जिसकी वजह से हृदय काम नहीं कर पा रहा था।

जांच करने के बाद डॉ. कृष्णा मुरारी प्रसाद के द्वारा तत्काल **Temporary Pace Maker** लगाने की सलाह दी गई। मरीज को Temporary Pace Maker लगाया गया। Pace Maker लगने के बाद मरीज की हृदय गति सामान्य हो गयी, तदुपरान्त मरीज को MICU में भर्ती कर सघन चिकित्सा की गई जिससे उनका पोटेशियम लेवल सामान्य हुआ। स्थिति सामान्य होने पर Pace Maker हटा दिया गया। मरीज पूर्णरूप से ठीक होकर दिनांक 02.11.2022 को डिस्चार्ज हुए।

मरीज (**रीना देवी,** 40 साल, स्त्री) दिनांक 21.10.2022 को डॉ. शीलमनी के वार्ड में भर्ती हुई। डॉ. कृष्णा मुरारी प्रसाद के द्वारा जाँच की गई। मरीज को श्वांस लेने में बहुत तकलीफ हो रही थी। मरीज के फेफड़ा में (बायें तरफ) हवा नहीं जा पा रही थी। मरीज कुछ दिनों से बुखार एवं कमजोरी से ग्रस्त थी। वह दमा की पुरानी मरीज थी।

जाँच एवं एक्स-रे के बाद पता चला कि दायें तरफ का फेफड़ा फट गया है जिसकी वजह से हृदय पर दबाव पड़ रहा है जिसके कारण मरीज के हृदय की गति बहुत कम हो गयी थी। मरीज का B.P. भी रिकॉर्ड नहीं हो पा रहा था।

तत्काल उसे MICU में भर्ती किया गया एवं डॉ. कृष्णा मुरारी प्रसाद के द्वारा छाती में पाईप (ICD) डाला गया। इसके बाद मरीज की स्थिति में सुधार आने लगा। पाँच दिनों तक मरीज की सघन चिकित्सा की गई और दिनांक 27.10.2022 को फेफड़ा सामान्य होने के बाद, छाती से पाईप निकाल दिया गया और मरीज को सकुशल 01.11.2022 को अस्पताल से छुट्टी दी गई।

-डॉ. विजय शंकरदास
(मुख्य चिकित्सा अधिकारी)

मरीज मंतव्य

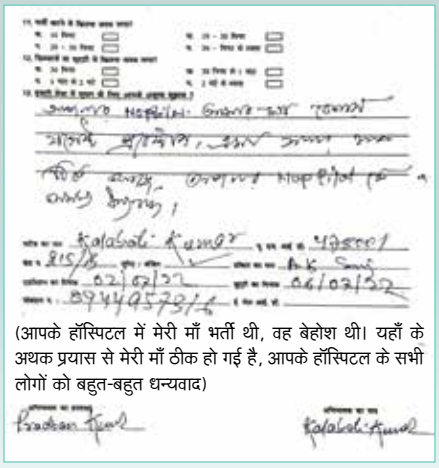

(आपके हॉस्पिटल में मेरी माँ भर्ती थी। वह बेहोश थी। यहाँ के अथक प्रयास से मेरी माँ ठीक हो गई है, आपके हॉस्पिटल के सभी लोगों को बहुत-बहुत धन्यवाद)

नर्सिंग प्रशिक्षण

वर्तमान में सदन में 170 नर्सें हैं, जो मरीजों की सेवा के लिए अथक प्रयास करती हैं। सदन की सभी नर्सों को चिकित्सा क्षेत्र में आवश्यक और उचित प्रशिक्षण दिया जा रहा है। उन्हें इस प्रशिक्षण को व्यावहारिक क्षेत्र में लागू करने का अवसर भी मिला है। इसके अलावा, उन्होंने समय प्रबंधन और एक-दूसरे के साथ-साथ अस्पताल में आने वाले लोगों के साथ सहयोग के बारे में भी प्रशिक्षण प्राप्त किया है।

नर्सों को मरीजों और अस्पताल की साफ-सफाई और स्वच्छता को ध्यान में रखते हुए सर्वोत्तम सेवा करने के लिए प्रशिक्षित किया गया है।

सभी विभागों में नर्सों के लिए संक्रमण नियंत्रण प्रशिक्षण कार्यक्रम भी प्रक्रिया में है। बेड-साइड प्रशिक्षण भी प्रदान किया गया है। उनें जमीनी अनुभव के साथ-साथ आवश्यक वस्तुओं का उपयोग करके प्रशिक्षित किया गया है। विसंक्रमण प्रक्रियाओं का प्रशिक्षण भी एक प्रमुख हिस्सा रहा है। इन सभी ने हमें अस्पताल की स्वच्छता सेवा बनाए रखने में मदद की है जैसे कि बिस्तर के घाव, फ्लेबिटिस, सुई छड़ी की चोटें आदि में कमी आई है।

नर्सें संचार और सॉफ्ट कौशल में उन्नयन से गुजर चुकी हैं। क्रिटिकल केयर इकाइयों में कुछ आवश्यक अतिरिक्त सुविधाएँ की गई हैं, जैसे आपातकालीन चिकित्सा क्रैश कार्ट, ट्रॉलियों की व्यवस्था, वार्डों में आवश्यक इंजेक्शन और मशीनों को रखना, स्टरलाइज्ड प्रक्रिया है। नर्सों को आईसीयू, एमआईसीयू और एसआईसीयू जैसी महत्वपूर्ण देखभाल की आदतों में प्रशिक्षित किया गया है। ऑपरेशन थियेटर और लेबर रूप को संभालने में भी उन्नयन किया गया है। उनके कौशल को परखने के लिए अक्सर क्विज़ आयोजित की जाती रहती है। हम अपनी नर्सों की रुचि को बढ़ावा देने के लिए उनके लिए कुछ प्रमाणित कार्यक्रमों की भी योजना बना रहे हैं। वार्ड कर्त्तव्यों में सुचारु परिवर्तन के लिए नई नर्सों का अभिविन्यास कार्यक्रमों के साथ स्वागत किया जाता है। हम अपनी नर्सों को बीएलएस, एसीएलएस और कई अन्य आवश्यक विशिष्ट प्रशिक्षणों के लिए भेजने की भी योजना बना रहे हैं। एनआईसीयू नर्सों को उनके कौशल और ज्ञान को उन्नत करने के लिए विशेष पाठ्यक्रमों के लिए भेजा जा रहा है। नर्सों को उनके कार्यक्षेत्र के अनुसार निर्धारित कुछ मानदंडों के आधार पर उनकी सेवाओं के लिए सम्मानित किया जाता है।

सदन की नर्सें आगे बढ़ती रहेंगी और पूरे समर्पण और प्रयास के साथ सेवा करती रहेंगी।

-श्रीमती सर्बजीत कौर
(नर्सिंग अधीक्षक)

डिजिटलीकरण

सदन की गतिविधियों के प्रभावी और कुशल संचालन के लिए डिजिटलीकरण Digitalisation अति आवश्यक है।

डिजिटलीकरण के दो पहलू हैं - एक हार्डवेयर और दूसरा सॉफ्टवेयर। हार्डवेयर के तहत् मशीनों की खरीद की गई है और अहमदाबाद की HOPS कंपनी से हॉस्पिटल प्रबंधन का सॉफ्टवेयर लिया गया है।

डिजिटलीकरण के प्रथम चरण में कम्प्यूटर द्वारा रोगियों का रजिस्ट्रेशन, ओपीडी/आईपीडी बिलिंग, आईपीडी में फार्मेसी का इंडेंट, पैथोलॉजी/डायग्नोस्टिक का इंडेंट एवं रिपोर्ट करने का कार्य किया जा रहा है।

डिजिटलीकरण के द्वितीय चरण में कम्प्यूटर द्वारा इन्वेंटरी प्रबंधन, स्टोर की आपूर्ति का इंडेंट करने का कार्य किया जा रहा है। डिजिटलीकरण के तृतीय चरण में कम्प्यूटर पर चिकित्सकों द्वारा प्रेस्क्रिप्शन, ओपीडी में BHT की इंट्री, रोगियों के मेडिकल रिकॉर्डकीपिंग का कार्य किया जायेगा।

यह प्रोजेक्ट अपने आप में बहुत ही महत्वपूर्ण और महत्वाकांक्षी है। सदन की आई. टी. टीम इसके मानकों को बखूबी लागू कर रही है। हमें आशा ही नहीं पूर्ण विश्वास है कि सदन को पेपरलेस बनाने का अपना सपना एक दिन अवश्य पूरा होगा।

फेसबुक, इंस्टाग्राम, व्हाट्सऐप इत्यादि आधुनिक माध्यमों का भी सदुपयोग किया जा रहा है।

-कौशिक चन्द्र, (आई टी विशेषज्ञ)

सेवा सदन सुर्खियों में...

सेवा सदन में निःशुल्क यूरोलॉजी जांच शिविर

रांची. नागरमल मोदी सेवा सदन अस्पताल में रविवार को निःशुल्क यूरोलॉजी जांच शिविर लगाया गया. इसमें 82 लोगों को परामर्श दिये गये. शिविर में खूंटी, गुमला, नामकुम, बुंडू, तमाड़ और तुपुदाना के लोगों को जांच की गयी. यूरोलॉजिस्ट डॉ अरविंद अग्रवाल ने परामर्श के साथ-साथ लोगों को जागरूक भी किया. उन्होंने कहा कि कई मरीज पेशाब में दर्द और खून आने पर आसपास की दवा दुकान से दवा लेकर खा लेते हैं, लेकिन समस्या का स... डॉ पंकज कुमार, सचिव ...र साबू, वेदप्रकाश बागला ...

मेगा कैंप में 171 मरीजों की हुई निःशुल्क ज...

ब्लड कैंसर को दी मात, सेवा सदन अस्पताल में हुआ इलाज

सेवा सदन में 36 मरीजों को दिया गया निःशुल्क चिकित्सा परामर्श

नागरमल मोदी सेवा सदन में मनाया गया डॉक्टर्स डे

सेवा सदन में राज्य के पहले ब्लड ट्रांसफ्यूजन सेंटर का उद्घाटन

सेवा सदन अस्पताल में सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट का हुआ उद्घाटन

सेवा सदन में निःशुल्क मेगा परामर्श शिविर 7 को

रांची | नागरमल मोदी सेवा सेवा सदन परिसर में विश्व स्वास्थ्य दिवस के अवसर पर सात अप्रैल को निःशुल्क मेगा परामर्श शिविर सुबह 10 बजे से दोपहर के 2 बजे तक लगेगा। मौके पर पैथोलॉजिकल जांच पर 20 फीसदी तक की छूट दी जाएगी। शिविर में डॉ कुमार शीलमनी, डॉ अरविंद सिंह, डॉ केके दारूका, डॉ श्रुति नारसरिया, डॉ रमन कुमार, डॉ राजेश मारू, डॉ विनय महेश्वरी, डॉ रोहित रूंगटा, डॉ अरविंद अग्रवाल उपलब्ध रहेंगे।

सेवा सदन में निःशुल्क मेगा कैंप 456 मरीजों को मिला परामर्श

'बच्चों के लिए स्तनपान जरूरी'

क्षेत्रीय रक्त आधान केन्द्र (आर.बी.टी.सी.)

नागरमल मोदी सेवा सदन को झारखंड में पहला निजी रक्त केंद्र के रूप में मान्यता प्राप्त हुई। स्टेट ऑफ आर्ट ऑफ ब्लड सेंटर उच्च तकनीक सुविधाओं से युक्त नागरमल मोदी सेवा सदन में स्थित है और "क्षेत्रीय रक्त आधान केंद्र" की मान्यता प्राप्त करने वाला झारखंड का पहला निजी रक्त केंद्र बन गया है।

अब दूर-दराज के अस्पताल और अन्य नर्सिंग होम अपने परिसर में केवल 10 वर्ग मीटर के क्षेत्र में अपना रक्त भंडारण केंद्र खोल सकते हैं। एक ही छत में ब्लड स्टोरेज सेंटर होने से मरीजों को काफी फायदा होगा।

श्रद्धांजलि

सेवा सदन परिवार की ओर से विनम्र श्रद्धांजलि...

मधुसूदन माहेश्वरी | गौरीशंकर कोठारी | किशन लाल चौधरी | अजीत कोठारी | ज्ञान प्रकाश जालान | शंभू चूड़ीवाला | भगवान काबरा | शालिग्राम गाड़ोदिया | रामरतन सर्राफ | राज किशोर मोदी | बनवारी लाल पोद्दार

{सेवा सदन संवाद के गत (फरवरी 2021) अंक प्रकाशन पश्चात सदन परिवार अपूरर्णिय क्षति}

सेवा सदन की झलकियाँ

मेगा ऑर्थो शिविर

स्त्री रोग शिविर

डॉक्टर्स डे

आर.बी.टी.सी

नर्सेज डे

विश्व स्तनपान दिवस

सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट

स्वतंत्रता दिवस समारोह

झण्डोतोलन (15 अगस्त, 2023)

सदन में मातृत्व व शिशु देखभाल

सेवा सदन परिवार को 66वें स्थापना दिवस पर बधाई, राँची के इस प्रतिष्ठित अस्पताल में प्रसूति एवं स्त्री रोग विभाग के प्रभारी के रूप में सेवा करना सौभाग्य एवं सम्मान की बात है। नागरमल मोदी सेवा सदन की शुभ स्थापना मातृ एवं शिशु देखभाल विभाग की पाँच शैय्याओं के साथ हुई थी। वास्तव में यह पहला प्रसूति विभाग था तथा अब प्रबंधन, कर्मचारियों एवं अनेक अनुभवी सक्षम डॉक्टरों की एक समर्थ टीम के साथ समाज में 65 साल की सेवा का उत्सव मनाने के बाद, हमारे सेवा सदन ने देखभाल के राष्ट्रीय मानकों को बनाए रखने तथा उनमें उत्कृष्टता बनाए रखते हुए कई विशिष्ट क्षेत्रों तक अपनी पहुँच का विस्तार किया है।

हमारा मानना है कि शिशु जीवन का सबसे दिव्य उपहार है एवं गर्भावस्था प्रकृति द्वारा प्रदान किए जाने वाले सबसे अविस्मरणीय अनुभवों में से एक है। इस उपहार को न केवल जन्म के समय बल्कि गर्भावस्था की पूरी अवधि तक पोषित तथा देखभाल करने की आवश्यकता है। इसलिए, एक विभाग के रूप में हम अपने यहाँ प्रसूति माँओं के लिए एक स्वस्थ, प्रसन्नचित्त गर्भावस्था सुनिश्चित करने का प्रयास करते हैं।

इस प्रतिष्ठित अस्पताल में अपने बाईस वर्षों के अनुभव में मैंने सेवाओं, चिकित्सा उपकरणों तथा विश्वस्तरीय मॉड्यूलर ओटी एवं आपातकालीन विभाग के उन्नयन के साथ इस अस्पताल तथा विभाग का उल्लेखनीय विकास देखा है। हमारे सेवा सदन परिवार के कई प्रतिष्ठित सदस्य, उनके निकट के तथा प्रियजन, हमारे अस्पताल में उनका जन्म हुआ एवं जब वे हमसे मिलने आते हैं तो वे विभाग के सम्पूर्ण वातावरण से लेकर नर्सिंग, देखभाल तथा आउटडोर एवं इनडोर सेवाओं तक सेवाओं के सामाजिक उन्नयन की स्पष्ट रूप से सराहना करते हैं।

समाज के सभी वर्गों के लिए विशिष्ट श्रेणियों वाला विशाल प्रसव कक्ष तथा कोल्पोस्कोपी, ड्रेसिंग रूम, पोस्टऑपरेटिव रिकवरी रूम के लिए अलग-अलग विशिष्ट कमरे, मातृ एवं शिशु विभाग का वातावरण अपने वर्ग/अस्पतालों के समूह में सर्वश्रेष्ठ में से एक है।

दो कोविड लहरों के दौरान हमारे विभाग ने समग्र रूप से उन सभी माताओं को निरंतर सेवाएँ प्रदान की, जिन्हें उस कठिन समय के दौरान हमारी आवश्यकता थी। इन दो लहरों में कोविड पीट्स की सेवा करना मेरे लिए चुनौतीपूर्ण एवं गौरवपूर्ण सौभाग्य था।

GYNAEC ओटी को पुनर्निर्मित किया गया तथा हमारे शहर में आए नए कॉर्पोरेट अस्पतालों की समकक्ष सुविधाओं के लिए प्रबंधन द्वारा हमें अच्छे चिकित्सीय उपकरणों के साथ गर्म, सुखदायक, आंतरिक तथा लेमिनर फ्लोर के साथ सुंदर मॉड्यूलर OT दिया गया है।

हमारे विभाग के केबिनों को सदस्यों के उदार दान से वातानुकूलित, स्वच्छ कमरों में पुनर्निर्मित किया गया तथा सभी कमरों में ऑक्सीजन पाइपलाइनें बिछाई गईं। सामाजिक रूप से समृद्ध वर्ग की अपेक्षाओं को पूरा करने के लिए लेबर वार्ड के पास सुइट्स का निर्माण किया गया।

पिछले तीन वर्षों से नर्सों, हाउसकीपिंग स्टाफ को नर्सिंग देखभाल और हाउसकीपिंग के एनएबीएच स्तरों के लिए प्रशिक्षित करने के लिए उच्च मापदंडों वाले तथा नियमित प्रशिक्षण सत्र आयोजित किए जा रहे हैं।

इनहाउस डाइट किचन ड्रग स्टोर अस्पताल में एक और बहुत ही आवश्यक तथा स्वागत योग्य है। अब मरीजों को सलाहकारों तथा आहार विशेषज्ञ की सलाह के अनुसार नियमित भोजन उपलब्ध कराया जाता है। उपचार की सलाह के अनुसार दवाएँ संबंधित वार्डों में पहुँचती है। इससे अन्य कॉर्पोरेट अस्पतालों की तरह रोगी एवं अभिभावकों का रहना सरल तथा परेशानी मुक्त हो जाता है।

पिछले दस वर्षों में कई नए अस्पताल पाँच सितारा सुविधाओं के साथ सामने आए हैं। फिर भी, हमारे विभाग में सबसे गंभीर मामलों को बचाने के लिए जटिल प्रसूति संबंधी आपात स्थितियों से पूरी विशेषज्ञता के साथ निपटने के लिए अनुभवी कर्मचारियों एवं डॉक्टरों की दक्षता, क्षमताएँ हैं।

हमारे अस्पताल का ब्लड बैंक हमारे विभाग के लिए सबसे बड़ी संपत्ति है। अत्यधिक रक्तस्राव या गंभीर रक्ताल्पता से पीड़ित प्रत्येक माँ का हमारे विभाग में बहुत तेजी से चिकित्सीय सुविधाएँ एवं उपचार किया जाता है। सेवा सदन में सेवा के लंबे वर्षों में मैंने देखा है कि परामर्शदाता इन रक्तस्रावी लोगों का जीवन बचाने में अपना हृदय एवं आत्मा लगा देते हैं। हम अत्यंत प्रसन्नताओं से अभिभूत हैं, हमारे अस्पताल की इन आवश्यक सुविधाओं के साथ उनका सफलतापूर्वक चिकित्सा कर पाने के कारण।

हम अब अपने पहले के दिनों की तुलना में अपने मानव संसाधन, प्रक्रियाओं में अधिक पेशेवर बन रहे हैं। हम भी अब अन्य कॉर्पोरेट अस्पतालों की तरह सभी प्रमुख बीमा कंपनियों तथा टीपीए के साथ सूचीबद्ध हैं।

हम हर महिला को प्यार तथा हास-परिहास से परिपूर्ण स्थान एवं माँ तथा बच्चे की समग्र भलाई के लिए एक समर्पित स्टाफ एवं विशेषज्ञ डॉक्टरों के साथ सर्वोत्तम संभव सुविधाओं के साथ सेवा देने की योजना के साथ आगे बढ़ रहे हैं। हमारा लक्ष्य नैदानिक उत्कृष्टता प्राप्त करना है, रोगी सुरक्षा पर ध्यान केन्द्रित करते हुए प्रसूति एवं अन्य स्त्री रोगों के ईलाज में निरंतर गुणवत्ता सुधार की संस्कृति का अनुपालन करते हैं।

-डॉ. अंजू कुमार
एम.डी., डी.जी.ओ, अहमदाबाद
प्रसूति एवं स्त्री रोग विशेषज्ञ

सर्वे भवन्तु सुखिनः सर्वे संतु निरामया

जब से जागृत हुआ हमारा समाज,
थी एक भावना कम खर्चे में हो सबका इलाज।

इसके लिए बनाया गया एक भवन,
नाम रखा उसका नागरमल मोदी सेवा सदन।

धीरे-धीरे उस नन्हे पौधे ने वट वृक्ष का लिया आकार,
और आज इस विशाल सेवा सदन का समाज पर है बड़ा उपकार।

नयी तकनीक, नया इलाज कई बड़े चिकित्सक यहां उपलब्ध हैं।
इसके सारे पदाधिकारी हमेशा आपकी सेवा मे कटिबद्ध हैं।

कोशिश है हमारी हर मरीज यहां से ठीक हो कर वापस जाए,
कोई ना हो निराश और मायूस, हम सब की उम्मीद पर खरे उतर पाएं।

अभी तो पंख फैलाए हैं हमने,
हौसलों की उड़ान अभी बाकी है।

छुआ है अभी तो सिर्फ बादलों को हमने,
उड़ने को पूरा आसमान अभी बाकी है।

-श्रीमती रेखा जैन
उपाध्यक्षा

परामर्श शिविर

नागरमल मोदी सेवा सदन द्वारा समय-समय पर निःशुल्क सेवा शिविर लगाये जाते रहे हैं जो इस प्रकार है :-

दिनांक	शिविर
17.02.2022	सांसद खेल महोत्सव
27.02.2022	यूरोलॉजी शिविर
27.03.2022	स्त्री रोग शिविर
07.04.2022	मेगा शिविर
05.08.2022	बैंक ऑफ इंडिया, बरियातु शाखा
17.09.2022	आई.डी.बी.आई. बैंक
01.10.2022	मारवाड़ी भवन परिसर
20.11.2022	मेगा ऑर्थो शिविर
12.01.2023	सेवा भारती, जोन्हा
17.07.2023	मारवाड़ी युवा मंच, रक्त दान शिविर

परामर्शी की कलम से...

राँची शहर में कई आधुनिक अस्पतालों के आने के बावजूद नागरमल मोदी सेवा सदन न्यूनतम मूल्य, सद्भावयुक्त सेवा तथा समय के अनुरूप नई बीमारियों एवं उनके नवीनतम ईलाज की प्रक्रियाओं में भी अग्रणी रहा है। हमारी टीम ने Operational मैनेजमेंट में सहयोग प्रदान किया, जिसके फलस्वरूप नर्सिंग केयर में उल्लेखनीय बदलाव आये हैं। परामर्शी एवं व्यवस्थापकों के बीच पारदर्शी एवं सद्भावना का वातावरण बना है। NABH प्रोटोकॉल के तहत् हाउसकीपिंग, सिक्योरिटी, इन्फेक्शन कंट्रोल, Documentation, बायो मेडिकल वेस्ट, बिल काउंसलिंग एवं Re-branding इत्यादि में भी दिनों दिन सुधार हो रहा है। कुछ Structural Change जैसे कि : नया इमरजेंसी विभाग, सभी OT एवं सभी ICU को एक फ्लोर पर लाने का कार्य प्रगति पर है। नवीन सॉफ्टवेयर से कागजी कामों में कमी आई है। नए सुपर स्पेशिलिटी जैसे - जॉइंट रिप्लेसमेन्ट, हिमाटोलॉजी, कैंसर सर्जरी, स्पाइन सर्जरी इत्यादि सेवाओं का विस्तार हुआ। हृदय रोगों के लिए नवीनतम टेक्नोलॉजी वाली Cath Lab लगाई जा रही है। इसके उच्चतम DSA टेबल की बदौलत आने वाले समय में Interventional न्यूरो रेडियोलॉजी से सेरिब्रल Aneurism तथा Peripheral Vessel की कठिनतम बीमारियों के ईलाज की सुविधा भी उपलब्ध हो जायेगी। आने वाले समय में बढ़ती हुई किडनी बीमारियों को देखते हुए झारखंड में प्रथम किडनी ट्रांसप्लांट की सुविधा प्रदान करने के लक्ष्य पर प्रयास चालू है। समय के अनुरूप हर विकसित टेक्नोलॉजी को अपनाकर किस तरह मरीजों को कम खर्च में समुचित ईलाज दे सके ऐसा निरन्तर प्रयासरत है। सेवा सदन की समर्पित सेवाओं में हमारी अल्प भागीदारी पर हमें गर्व है।

शुभकामनाओं सहित!

-डॉ. राजेन्द्र शर्मा
परामर्शी

लक्ष्य

मरीज के प्रभावी उपचार को ध्यान में रखते हुए स्वास्थ्य सुविधाओं को नैतिकता के साथ निरंतर उन्नत करते रहना जिससे यह अस्पताल राँची और आसपास के क्षेत्रों के मरीजों की पहली पसंद का अस्पताल हो।

उद्देश्य

कम खर्च - समुचित ईलाज - सही व्यवहार

मूल्य

अनुशासन, करूणा, नैतिकता और प्रतिबद्धता

चन्द्रयान-3 का सफल प्रक्षेपण

दिनांक : 23.08.2023

गौरवशाली पल - भारत सफल

आर्थिक सहयोग

सदन की रीढ़ - दान दाताओं द्वारा सेवा सदन कम खर्च में समुचित इलाज प्रदान करने हेतु कृत संकल्प है। यह समाज के उदात्त दान दाताओं के फलस्वरूप ही संभव होता है।

कई व्यक्ति व संस्थाएं नियमित रूप से आर्थिक सहयोग करती है जिनमें प्रमुख हैं :- **पेनसोल इन्डस्ट्रीज लिमिटेड, संजीवनी वी केयर, ज्ञानचंद चेरिटेबल ट्रस्ट, राँची न्यूरोलोजिकल ट्रस्ट, चिरंजीवि प्रसाद अरूण छावछरिया चेरिटेबल ट्रस्ट, श्लोक बिल्डर्स प्रा. लिमिटेड, बिरमा इन्डस्ट्रीज एण्ड बिजनस इण्टरप्राइजेज प्रा. लि., श्री सुरेश कुमार साबु, बी.के. बिरला इन्स्टीटयूशन, महादेवी बिरला इन्स्टीटयूशन, गणेश प्रसाद जालान मेमोरियल ट्रस्ट, मोदी परिवार।**

सदन परिवार इन सभी सहयोगियों के प्रति ऋणी है ।

आकस्मिक विभाग का उन्नयन

ज्ञानचंद जैन चैरिटेबल ट्रस्ट के सहयोग से आकस्मिक विभाग का उन्नयन हुआ है । यहां सभी आवश्यक उन्नत उपकरण लगे हुए हैं । प्रशिक्षित चिकित्सक व परिचारिकाएं कार्य रत है ।अब यहां गंभीर मरीजों को प्राथमिक चिकित्सा प्रदान कर स्टेबल किया जाता है और फिर उसे कन्सलटेंट के अन्तर्गत सदन में भर्ती किया जाता है । इसका उद्घाटन दिनांक 26 जनवरी, 2022 को हुआ ।

सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट

सेवा सदन में राज्यसभा सांसद श्री महेश पोद्दार जी के सांसद निधि से 50 KLD capacity का सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट लगाया गया। सभी अस्पतालों की यह वैधानिक आवश्यकता है। यह प्लांट गत् 6 अगस्त, 2022 से कार्यरत हैं।

आयुष्मान योजना

सेवा सदन के सेवा कार्य में संलग्न सभी कार्यकर्ताओं की कड़ी मेहनत, दृढ़ता एवं लगन की बदौलत पुनः सेवा सदन आयुष्मान भारत योजना के तहत सेवा प्रदान करने को तैयार है।

आयुष्मान भारत के तहत रोगी को सेवा प्रदान करने की हमारी महत्वाकांक्षी मनसा का ही परिणाम है कि हम निर्विघ्न हड्डी रोग, जनरल सर्जरी एवं मेडिसिन विभाग में सेवा देने में सक्षम हुए हैं।

इस योजना में सभी रोगी, आयुष्मान कार्ड धारक, सेवा सदन में आकर मुफ्त इलाज करवा सकते हैं।

विकसित सेवा सदन के लिए यह योजना सेवा प्रदान के क्षेत्र में हमारी मूलभूत भावना का सम्मान है

सेवारत विभाग

सामान्य चिकित्सा Medicine		स्त्री रोग Gynaecology		आयुर्वेद Ayurveda	
पेट संबंधी Gastroenterology		शल्य चिकित्सा Surgery		बाल चिकित्सा Paediatric	
मूत्र रोग Urology		तंत्रिका रोग Neurology		हड्डी रोग Orthopaedic	
रीढ़ Spine		मधुमेह / चीनी Diabetes		रूधिर Haematology	
नेत्र चिकित्सा Eye		हृदय रोग Cardiology		चेहरा/जबड़ा Maxillofacial	
कैंसर Oncology		दंत चिकित्सा Dental		चर्म रोग Skin	

उपलब्ध सेवाएं

24x7 Emergency		24x7 Pathology		Vaccination All Types	
24x7 Labour Room/ Caesarian		24x7 Ambulance		CT Scan	
24x7 Blood Bank		24x7 X-Ray		Physiotherapy	

Cashless Facility Available with Major Insurance Cos.

Day OPD
09:00am - 02:00pm
Evening OPD
02:00pm - 07:30pm

सेवा भाव से संस्थापित, संचालित एवं समर्पित संस्थान

पीढ़ियों की पसंद - हम सबका सेवा सदन

जन साधारण के लिये चिकित्सा क्षेत्र में एक वरदान

नागरमल मोदी सेवा सदन

(स्थापित 1958)

कम खर्च - समुचित इलाज - सही व्यवहार

सेवा सदन पथ, राँची - 834001

24 HOUR HELPLINE # 6204752651 | ENQUIRY # 6204752640

ONE TBZ PROMISE: TRUST OF 159 YEARS

tbz®
The original since 1864

Leela

BRIDAL JEWELLERY

by TBZ - The Original

starting from

Jewellery Making Charges 7%*

*Conditions Apply

AC MARKET, GEL CHURCH COMPLEX, MAIN ROAD, RANCHI: PH.: 9572377358